**भारत सरकार**

**विद्युत मंत्रालय**

**....**

**राज्य सभा**

अ**तारांकित प्रश्न संख्या-91**

**जिसका उत्तर** 24 नवंबर**, 2014 को दिया जाना है ।**

**दक्षिण एशियाई देशों के साथ एकीकृत विद्युत**

**ग्रिड**

**91. श्रीमती रेणुका चौधरीः**

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार भारत को अपने दक्षिण एशियाई पड़ोसी देशों के साथ जोड़ने के लिए कोई एकीकृत विद्युत ग्रिड स्थापित करने का विचार रखती है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है, और इस दिशा में कितनी प्रगति हुई है; और

(ग) देश में विद्युत की स्थिति में सुधार लाने के लिए सरकार द्वारा अपने दक्षिण एशियाई पड़ोसियों के साथ प्रभावी विद्युत व्यापार समझौता करने हेतु कौन-कौन से कदम उठाए गए हैं?

**उत्तर**

**विद्युत, कोयला एवं नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)**

**(श्री पीयूष गोयल)**

**(क) से (ग) :** वर्तमान में, भारत का विभिन्न सीमापार पारेषण लिंकों के माध्यम से बहुत से दक्षिण एशियाई देशों अर्थात भूटान, बांग्लादेश और नेपाल के साथ पारेषण इन्टरकनेक्शन है। प्रत्येक देश के साथ पारेषण कनेक्शन का संक्षिप्त ब्यौरा **अनुबंध** में हैं। जहां तक व्यवहार्य होगा, अन्य दक्षिण एशियाई पड़ोसी देशों के साथ प्रभावोत्पादक विद्युत व्यापार व्यवस्था के लिए और अधिक मार्ग प्रशस्त किया जाएगा।

\*\*\*\*\*\*\*\*

**अनुबंध**

**राज्य सभा में दिनांक 24.11.2014 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 91 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध।**

**क. इण्डो-नेपाल**

मौजूदा भारत-नेपाल सीमा पार प्रचालनरत अन्तर-संबंध सम्पर्क नीचे दिए गए हैं:

**बिहार (बीएसपीटीसीएल)-नेपालः**

**132 केवी लाइन**

1. कटैया-कुसहा एस/सी
2. रामनगर-गण्डक/सूरजपुरा (नेपाल) एस/सी

**33 केवी लाइन**

1. कटैया-इनर्वा (बिराटनगर) एस/सी (सेवा में नहीं है)
2. कटैया-राजबिराज एस/सी
3. जयनगर-सिरहा (विष्णुपुर) एस/सी
4. सीतामढ़ी-जलेश्वर एस/सी
5. रक्सौल-बीरगंज एस/सी

**उत्तर प्रदेश (यूपीपीसीएल)-नेपालः**

**33 केवी लाइन**

1. नानपारा-नेपालगंज एस/सी लाइन

**उत्तराखण्ड (यूपीसीएल)-नेपालः**

**11 केवी लाइन**

1. पिथौरागढ़-बैताडी लाइन
2. धारचुला-जलजीबे लाइन
3. धारचुला-पीपली लाइन

**एनएचपीसी-नेपालः**

**132 केवी लाइन**

1. टनकपुर एचईपी-महेन्द्रनगर एस/सी लाइन

**ख. इण्डो-बंगलादेश**

1. **मौजूदा सीमापार लिंक (सिंक्रोनस मोड में)**

* बहरामपुर (भारत)-भेड़ामारा (बंगलादेश) 400 केवी डी/सी लाइन

**ग. इण्डो-भूटान**

भारतीय और भूटान ग्रिड निम्नलिखित पारेषण लिंकों के माध्यम से सिंक्रोनस मोड पर प्रचालित की जाती हैं।

**चुखा एचईपी (336 मेगावाट):**

* चुखा (भूटान)-बीरपारा 220 केवी डी/सी (भारत/पश्चिम बंगाल)
* चुखा (भूटान)-बीरपारा (पश्चिम बंगाल) वाया सिंघीगांव (भूटान) 220 केवी एस/सी

**कुरीछु एचईपी (60 मेगावाट):**

* कुरीछु (भूटान)-जिलेफू (भूटान)-सालाकाटी (असम) 132 केवी एस/सी

**ताला एचईपी (1020 मेगावाट):**

ताला (भूटान)-सिलिगुड़ी (पश्चिम बंगाल) 400 केवी 2xडी/सी लाइन (भूटान में मालबेस एस/एस पर डी/सी लाइन के एक सर्किट का एलआईएलओ किया गया है)।

\*\*\*\*\*\*\*\*